
shrI mInAxI sundareshvara stotram

श्रीमीनाक्षी सुन्दरेश्वरस्तोत्रम्

Document Information

Text title : mInAxI sundareshvara stotram

File name : minsundereshvara.itx

Category : devii, mInAkShI, stotra, devI

Location : doc_devii

Author : Traditional

Transliterated by : Subramanian Ganesh sgesh at hotmail.com

Proofread by : Subramanian Ganesh sgesh at hotmail.com

Latest update : March 15, 2001

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

September 17, 2023

sanskritdocuments.org

श्रीमीनाक्षी सुन्दरेश्वरस्तोत्रम्



सुवर्णपद्मिनीतटान्तदिव्यहर्म्यवासिने
सुवर्णवाहनप्रियाय सूर्यकोटितेजसे ।
अपर्णया विहारिणे कृपाधरेन्द्रधारिणे
सदा नमश्शिवाय ते सदाशिवाय शंभवे ॥ १ ॥

सुतुङ्गभङ्गजान्दुजासुधांशुभाण्डमौलये
पतङ्गपङ्कजासुहृत्कृपीटयोनिचक्षुषे ।
भुजङ्गराजकुण्डलाय पुण्यशालिभन्धवे
सदा नमश्शिवाय ते सदाशिवाय शंभवे ॥ २ ॥

यतुर्भुजाननारविन्दवेदगीतमूर्तये
यतुर्भुजानुजाशरीरशोभमानमूर्तये ।
यतुर्विधार्यदानशौण्डिताण्डवस्वरूपिने
सदा नमश्शिवाय ते सदाशिवाय शंभवे ॥ ३ ॥

शरन्नशाकरप्रकाशमन्दलासमञ्जुला-
धरप्रवालभासमानवङ्गमण्डलश्रिये ।
करस्फुरत्कपालमुक्तविष्णुरक्तपायिने
सदा नमश्शिवाय ते सदाशिवाय शंभवे ॥ ४ ॥

सहस्रपुण्डरीकपूजनैकशून्यदर्शना
सहस्रनेत्रकल्पितार्यनाय्युताय भक्तितः ।
सहस्रभानुमण्डलप्रकाशयङ्गदायिने
सदा नमश्शिवाय ते सदाशिवाय शंभवे ॥ ५ ॥

रसारथाय रम्यपत्रभुद्रथाङ्गपाण्डये
रसाधरेन्द्रयापशिञ्जिनीकृतानिलाशिने ।
स्वसारथीकृताञ्जनुन्नवेदरूपवाञ्जिने
सदा नमश्शिवाय ते सदाशिवाय शंभवे ॥ ६ ॥

अतिप्रगल्भवीरभद्रसिंहनादगर्जित
श्रुतिप्रभीतदक्षयागभोगिनाकसन्ननाम् ।
गतिप्रदाय गर्जिताभिलप्रपञ्चसाक्षिणे
सदा नमश्शिवाय ते सदा शिवाय शंभवे ॥ ७ ॥

मृकण्डसूनुरक्षाणवधूतदण्डपाणये
सुगण्डमण्डलस्फुरत्प्रभाजितामृतांशवे ।
अम्बण्डभोगसम्पदर्थिलोकभावितात्मने
सदा नमश्शिवाय ते सदा शिवाय शंभवे ॥ ८ ॥

मधुरिपुविधिशकमुप्यदेवैरपि नियमार्थितपादपङ्कजय ।
कनकगिरिशरासनाय तुभ्यं रजतसभापतये नमः शिवाय ॥ ९ ॥

डालास्यनाथाय मलेश्वराय डालाडलालङ्कृतकन्धराय ।
मीनेक्षनाथाः पतये शिवाय नमो नमः सुन्दरताण्डवाय ॥ १० ॥

त्वया कृतमिदं स्तोत्रं यः पठेद्भक्तिसंयुतः ।
तस्याऽऽयुर्दीर्घमारोग्यं सम्पदश्च ददाम्यहम् ॥ ११ ॥

Encoded by Subramanian Ganesh <स्गेश@होत्मैलुँओम> From hAlAsya mahAtmiyam.

—
shrI mInAxI sundareshvara stotram
pdf was typeset on September 17, 2023
—

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

